डा. एन.चन्द्रशेखरन नायर : संक्षिप्त जीवन परिचय

जन्म तिथि : २७, जून १९२४ ई (शिक्षा प्रमाण-पत्र के अनुसार)
२९, दिसंबर १९२३ ई (जन्म कुंडली के अनुसार)

पिताश्री : श्री. नीलकण्ठ पिल्लै (एक मध्यवर्ग के कृषक)

माताश्री : श्रीमती जानकी अम्मा (एक कुलीन धार्मिक वनिता)

धर्म-जाति : हिन्दू, नायर

परिवार : पत्नी : श्रीमती टी.शारदा; पुत्र : सी. शरत्चन्द्रन (दिवंगत);
पुत्रियाँ : एस.नीरजा, एस.सुनन्दा

स्थाई पता : (सन् १९५९ से लेकर)
श्री निकेतन, लक्ष्मीनगर, D-1, पट्टम पालस पोस्ट,
तिरुवनन्तपुरम-६९५००४, केरल

दूरभाष : ०४७१-२५४१३५५

शिक्षा : चित्रकला (मद्रास सरकार की परीक्षाएँ) - १९४७; राष्ट्रभाषा विशारद (दक्षिण भारत हिन्दी प्रचारसभा, मद्रास) - १९५०; प्रमाणित प्रचार (दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास) - १९५०; मद्रास मेट्रिकुलेशन - १९५०; हिन्दी विद्वान (ट्रावनकोर विश्वविद्यालय) १९५०; बी.ए. (हिन्दी, ट्रावनकोर विश्वविद्यालय) - १९५६; साहित्य रत्न (इलाहबाद हिन्दी विश्वविद्यालय) - १९५७; एम.ए. (हिन्दी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय) - १९५८; पी.एच.डी. (बिहार, विश्वविद्यालय)-१९७७;

भाषा ज्ञान : मलयालम, हिन्दी, अंग्रेज़ी, संस्कृत

शैक्षिक सेवाएँ :सन् १९४२ से १९४७ तक हिन्दी प्रचारक; सन् १९४७ से १९५० तक स्कूलों में हिन्दी अध्यापक; सन् १९५१ से १९६७ तक कॉलेजों में हिन्दी अध्यापक; सन् १९६७ से १९८१ तक हिन्दी प्राध्यापक (ग्रेड II); सन् १९७२ से १९८४ तक हिन्दी प्राध्यापक (ग्रेड I); सन् १९८५ से १९८७ तक मेजर रिसेर्च फेलो यू.जी.सी. (तीन वर्ष); सन् १९८८ से १९८९ तक (दो वर्ष) एमरिट्ट्स प्रोफसर यू.जी.सी.

पुरस्कार एवं सम्मान : ९ नेशनल और ७६ अन्य पुरस्कार प्राप्त, विवरण नीचे:

(१) विश्व हिन्दी सम्मान, दसवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन, १२-९-२०१५;

(२) हिन्दी रत्न सम्मान, राजर्षी पुरुषोत्तमदास टंठन स्मारक देशीय पुरस्कार (रु.१ लाख आन्ट अदेर्स सिटेषन्स), दिल्ली, २०१४;

(३) भारत गौरव - विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, बागलपूर, बिहार, २०१३;

(४) जस्टीस राधाकृष्ण मेनोन स्मारक देशीय पुरस्कार, एरणाकुलम, २०१३

(५) डाक्टर ऑफ लिटरेचर;

(६) मास्टर ऑफ एजूकेशन - अखिल भारतीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन, महाराष्ट्र (अध्यक्ष प्रधान मंत्री, इंन्दिरा गाँधी) द्वारा १९६८);

(७) देवयानी (हिन्दी नाटक) - भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा १९७१;

(८) प्रोफसर और रसोईया (कहानी संग्रह) - भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, द्वारा १९७४;

(९) साहित्य मार्तण्ड : कला-संस्कृति-साहित्य विद्यापीठ मथुरा द्वारा १९७६;

(१०) देश रत्न : कला-संस्कृति-साहित्य विद्यापीठ मथुरा द्वारा १९७८;

(११) राष्ट्रीय गीतकार : कला-संस्कृति-साहित्य विद्यापीठ मथुरा द्वारा १९७८;

(१२) रजत् जयंती सम्मान : (एन. चन्द्रशेखरन नायर अभिनंदन ग्रंथ) गाँधी शान्ति प्रतिष्ठान नई दिल्ली में तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री लालकृष्ण अद्धानी जी के हाथों नायर जी की साहित्य यात्रा के रचतजयंती सम्मान के रूप में अभिनन्दन ग्रंथ समर्पित (संपादक मंडल में पद्मभूषण डा.सुमित्रा नन्दन पंत, पद्मभूषण महादेवी वर्म्मा पद्मभूषण रामकुमार वर्मा आदि भारतीय दस मनीषियों का कर्तृत्व) १९७९;

(१३) कुरुक्षेत्र जागता है : तीन लघु नाटकों का संग्रह) स्वाधीनताप्राप्ति के बाद दक्षिण भारत में रचित सबसे श्रेष्ठ हिन्दी नाट्य रचना के उपलक्ष्य में हिन्दी प्रतिष्ठान हैदराबाद द्वारा १९७९;

(१४) विशिष्ट व्यक्तित्व : भारत केसरी मन्नत्तु पद्मनाभन द्वारा स्थापित केरल की एन.एस.एस. संस्था के किडंगूर नायर महासम्मेलन में समादृत १९८०;

(१५) यू.जी.सी. पुरस्कार : "हिन्दी और मलयालम के दो प्रतीकवादी (सिम्बॉलिक) कवि" नामक शोध ग्रंथ के प्रकाशनार्थ यू.जी.सी. ने १४.६०० रुपये पुरकार रूप में दिये १९८२;

(१६) हिन्दीतर भाषी हिन्दी साहित्यकारों को पुरस्कार, भारत सरकार शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय (शिक्षा विभाग), १९८१-८२ & १९८२-८३

(१७) त्रितीय विश्व हिन्दी सम्मेलन दिल्ली में सम्पन्न समारोह में विश्व के ५० ग्रंथकारों के साथ समादृत १९८३;

(१८) गौरीशंकर - (महाकवि एम.पी.अप्पन की ३४ कविताओं का मलयालम काव्यानुवाद), भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत १९८४;

(१९) केरलत्तिले कलकल (केरल की कलाएँ नामक ग्रंथ के प्रकाशनार्थ स्थानीय सरकार द्वारा अनुदान) १९८४;

(२०) विशिष्ट व्यक्तित्व सम्मान : त्रिवेन्द्रमवाले नागरिक एवं नायर समाज द्वारा १९८४;

(२१) समग्र लेखन सम्मान : अन्तर्राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक समिति नजीबाबाद द्वारा १९८८;

(२२) एषुत्तच्छन पुरस्कार : जगद्गुरु स्वामी सत्यानन्द सरस्वती महाराज द्वारा श्रीरामनवमी महोत्सव के सन्दर्भ में १९९२;

(२३) विशिष्ट व्यक्तित्व सम्मान : महर्षि श्री विद्याधिराज केन्द्र त्रिवेन्द्रम द्वारा १९९२;

(२४) सौहार्द पुरस्कार : उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ द्वारा १९९५;

(२५) रूपाम्बरा सम्मान : आठवाँ राजभाषा सम्मेलन कोवलम, त्रिवेन्द्रम द्वारा १९९६;

(२६) विश्वकोश सम्मान : इन्टरनेशनल बैयोग्राफिक सेन्टर, केम्ब्रिड्ज १९९७;

(२७) आचार्य सम्मान : जैमिनी अकादमी पानीपत्त द्वारा १९९८;

(२८) विद्यासागर (डी.लिट्) सम्मान : विक्रमशिला, हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर द्वारा १९९९;

(२९) प्रेमचन्द लेखक पुरस्कार : महाराष्ट्र दलित अकादमी द्वारा १९९९;

(३०) विवेकानन्द सम्मान : साहित्यिक-सांस्कृतिक-कला-संगम अकादमी, प्रतापगढ़, उ.प्र. १९९९;

(३१) साहित्य पारिजात सम्मान : साहित्यिक पारिजात, जनकपुरी, नई दिल्ली द्वारा १९९९;

(३२) केशवसुत साहित्य सम्मान : राष्ट्रीय हिन्दी अकादमी, रूपाम्बरा कलकता द्वारा (पोण्डिचेरी में) १९९९;

(३३) साहित्य सारस्वत सम्मान : ध्रुवप्रकाशन, अहमदाबाद द्वारा १९९९;

(३४) अनुभूति चेन्नै द्वारा समादरण : १९९९;

(३५) यू.एस.एम.पत्रिका, सम्पादक द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में समादरण : गाजियाबाद १९९९;

(३६) कार्ययोगी सम्मान : गुजरात हिन्दी विद्यापीठ, अहमदाबाद द्वारा २०००;

(३७) राजभाषा मनीषी : अखिलभारतीय राजभाषा सम्मेलन, यू.एस.एम.मंडल, गाजियाबाद २०००;

(३८) हिन्दी अकादमी, समुदाय भवन, दिल्ली द्वारा समादरण : १९९९;

(३९) भारत एशियायी साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा समादरण : १९९९;

(४०) प्रेमचंद लेखक पुरस्कार - महाराष्ट्र दलित साहित्य अकादमी, २३-५-१९९९;

(४१) आज विद्यासागर (डी.लिट.), विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, ७-६-९९

(४२) रूपाम्परा सम्मान - १२वाँ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मान, २-४ अक्तूबर १९९९;

(४३) बीसवीं शताब्दी रत्न : जैमिनि अकादमी पानीपत, द्वारा २०००;

(४४) एमिनन्ट पेरसनालिटीस ऑफ इन्डिया : इन्टरनाशनल बैयोग्राफिक रिसर्च फौन्डेशन इन्डिया, कलकता २०००;

(४५) राष्ट्रीय हिन्दी सेवी सहस्राब्दी सम्मान : सहस्राब्दी विश्वहिन्दी सम्मेलन, नई दिल्ली में श्रममंत्री डा. सत्य नारायण जटिया जी के हाथों से २०००;

(४६) सहस्राब्दी हिन्दी पुरस्कार : सहस्राब्दी विश्वहिन्दी सम्मेलन, नई दिल्ली २०००;

(४७) साहित्य श्री सम्मान : शिवसंकल्प साहित्य परिषद नर्मदापुर, म.प्र.२०००;

(४८) सूफी कवि मुल्लादाऊद सम्मान : अखिल भारतीय साहित्यकार कल्याण मंच द्वारा २०००;

(४९) एक कर्मयोगी की चित्र रथ यात्रा : केरल हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा निर्मित एक आल्बम, जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किया २०००;

(५०) बीसवीं शताब्दी रत्न-सम्मान पत्र- जैमिनी अकादमी, १३-१२-२०००;

(५१) राज भाषा मनीषी, अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, २२-४-२०००

(५२) सम्मान पत्र - राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन; पारिजात सम्मानोपाधि-पत्र

(५३) एमिनेन्ट पेर्सणालिट्टीस ऑफ इन्ड्या - इन्टर्नाषणल बयोग्राफिकल रिसेर्च फॉनटेशन, १३-६-२०००

(५४) साहित्य शिरोमणी पुरस्कार : सुरभि साहित्य संस्कृति अकादमी, ख्रण्डवा म.प्र.२००१;

(५५) विजयदशमी पुरस्कार प्रशस्ती पत्र, आटुकाल भगवती क्षेत्र ड्रस्ट, २६-१०-२००१

(५६); पंडित भास्कर पणिक्कर सेमोरियल इन्डिस अवार्ड इन्स्टीट्यूट बै दि सेन्टर इन्डर डिसिप्लिनरी स्टडीस इन २००१;

(५७) महाराज चित्तिरतिरुनाल सम्मान : दिवंगत महाराजा की ९५ में जन्म जंयती समारोह में महाराजा श्री मार्ताण्ड वर्म्मा जी द्वारा २००२;

(५८) निराला साहित्य पर्व के सप्त दिवसीय सेमिनार का उद्घाटन और समादरण : हिन्दी अकादमी दिल्ली द्वारा (१७ से २३ फरवरी २००२ तक);

(५९) गुरुपूजा पुरस्कार : (दस हज़ार एक रुपये) निराला हिन्दी अकादमी, आट्टिंगल २००२;

(६०) विचारश्री सम्मान : राष्ट्रीय विचार मंच, दिल्ली द्वारा २००२;

(६१) सम्मान पत्र : राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन केरल द्वारा २००३;

(६२) अमृतकलश रत्नश्री : सुरभि साहित्य संस्कृति अकादमी ख्रण्डवा म.प्र. २००३;

(६३) सीतम्मा (मलयालम उपन्यास) को टी.पी. रामकृष्ण पिल्लै अवार्ड, तिरुवनन्तपुरम, २००३;

(६४) मर्हषि विद्याधिराज तीर्थपाद पुरस्कार : आट्टुकाल श्री माधवन नायर द्वारा २००३;

(६५) गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान : (एक लाख्र रुपये) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा राष्ट्रपति डा.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी के हाथों प्राप्त २००५;

(६६) विद्याधिराजा श्रेष्ठ पुरस्कार : विद्याधिराज मिशन त्रिवेन्द्रम द्वारा २००५;

(६७) महाराष्ट्र भारती अखिला बारतीय हिन्दी सेवा पुरस्कार फ्रम महाराष्ट्र स्टेट हिन्दी साहित्य अकादमी, २००५;

(६८) अंतारराष्ट्रीय कुसुम हिन्दीतर हिन्दी सम्मान, नजीभाबाद

(६९) अतिविशिष्ट हिन्दी सेवी सम्मान : द्वितीय हिन्दी भाषा कुंभ, अखिल कर्नाटक हिन्दी साहित्य अकादमी की ओर से बेंगलोर में महामहिम गवर्णर टी.एन.चतुर्वेदी जी और केन्द्र मंत्री श्री. चन्द्रशेखरन द्वारा ज्योति आडिटोरियम में प्रदत्त २००६;

(७०) विशिष्ट संस्कृति सम्मान : भारतीय संस्कृति संस्थान चण्डीगढ़ द्वारा ५-२-२००६ को ज्योति आडिटोरियम, बेंगलोर में महामहिम राज्यपाल श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी के हाथों से स्वीकृत;

(७१) सामूह्य प्रवर्तन पुरस्कार;

(७२) पि.एन.पनिकर फौंडेषन, १-३-२००८;

(७३) भारतीय विचार केन्द्रम रिसेर्च सेन्टर, त्रिवेन्द्रतम, २७-९-२००८;

(७४) राष्ट्रनायक सम्मान : केरल हिन्दी प्रचारक समिति, एरणाकुलम २०१०;

(७५) स्वतंत्रा सौग्राम सेनानी सी.पी.मेमोरियल स्मारक देशीयोदग्रदन पुरस्कार २०१० तक डॉ.एन.चन्द्रशेखरन नायर

(७६) भारतीय भाषा रत्न, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, गांधीनगर, १३-१२-२०१२;

(७७) एस.बी.टी. पी.जी.वासुदेव पुरस्कार २०१२;

(७८) गाँधी आश्रम, पेनंग, पीस मेस्सन्जर अवार्ड २०१७ तक डॉ.एन.सी.नायर;

(७९) उत्तर प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन, पंडिट मदन मोहन मालविया सम्मान;

(८०) पंडित भीमसेन विद्यालंकार की स्मृति में हिन्दी रत्न सम्मान, १-८-१४;

(८१) जस्टीस के.पी.राधाकृष्णमेनोन स्मारक देशीयोदग्रथन पुरस्कार १६-३-२०१४;

(८२) रिसेर्च फॉरम फोर हारमणि, २०१५;

(८३) विश्ववेदी पुरस्कार, विश्ववेदी मासिका, २०१५;

(८४) बालकृष्ण गोईन्का हिन्दी साहित्य सम्मान, कमला गोइन्का फाउण्डेशन, २०१५;

(८५) सहस्त्राब्दी हिन्दी पुरस्कार :

(१)राष्ट्रभाषा विशारद - दक्षिणभारत हिन्दी प्रचार सभा, २२-३-१९८२

(२)सहस्त्राबादी विश्व हिन्दी, १८-२३ सितंबर २०००;

(३)सम्मान पत्र - जैमिनी अकादमी

प्रकाशित हिन्दी (मौलिक) कृतियाँ : मुख्य कृतियों के विवरण नीचे:-

(१) द्विवेणी - (भावात्मक नाटक १९६२), अनेक भाषाओं में अनूदित और बहुचर्चित, अवतरणिका पद्मश्री शूरनाड़ कुञ्जनपिल्लै; (२) कुरुक्षेत्र जगता है - (तीन लघुनाटकों का संकलन १९६२), भूमिका लेखन डा. महेन्द्र भटनागर, अन्य भाषाओं में अनूदित); (३) हार की जीत - (आठ कहानियों का संग्रह १९६४), अनेक भाषाओं में अनूदित; (४) युग संगम - (दो लघुनाटकों का संकलन १९६४) सांस्कृतिक महत्व की रचना; (५) हिमालय गरज रहा है - (देश-भक्ति-गीय १९६५), चीन आक्रमण

के विरुद्ध भारत सरकार ने १००० प्रतियाँ मोल लेकर अनुमोदित किया; (६) निबंध मंजूषा - (सामयिक विषयों पर निबंध १९६६), कर्नाटक महिला विद्यापीठ का पाठ्य-ग्रंथ; (७) भारतीय साहित्य - चार प्रसिद्ध हिन्दी रचनाओं की आलोचना १९६७; (८) सेवाश्रम - (एक पूर्ण नाटक १९६७), केरल हिन्दी प्रचार सभा जैसी कई संस्थाओं में पाठ्य-पुस्तक; (९) भारतीय साहित्य और कलाएँ - (आलोचक १९६७); (१०) देवयानी - (एक श्रेष्ठ मिथकीय नाटक १९७२) भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत, भारतीय भाषाओं में अनूदित; (११) प्रोफसर और रसोइया - श्रीकमलेश्वर के संपदाकत्व में निकली सारिका नामक अन्तर्देशीय पत्रिका में प्रकाशित और बहुप्रशंसित दस कहानियों का संग्रह १९६७; (१२) प्रतीक पूर्वी तथा पश्चिमी - देश में प्रकाशित एक मात्र, सैद्धांतिक रचना १९७२; (१३) प्रतीकी कवि सुमित्रानंदन पंत (शोध निबंध, १९७२); (१४) पंत और जी शंकरकुरुप (शोध निवंध, १९८०); (१५) श्रेष्ठ सिम्बॉलिक कवि जी. शंकर कुरुप - इसका प्रो. सिद्धि की द्वारा मलयालम में अनुदित होकर प्रकाशन हुआ (शोध निबंध, १९८५), मलयालम में प्रो. सिद्धिकी द्वारा अनूदित; (१६) हिन्दी और मलयालम के दो सिम्बॉलिक कवि - बिहार विश्व विद्यालय का शोध निबंध १९८०, इसका प्रकाशन यू.जि.सी. ने किया है; (१७) धर्म और अधर्म - तीन लघुनाटकों का संकलन, १९८२; (१८) डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर का नाट्य साहित्य - डा. भोलानाथ तिवारी द्वारा भूमिका लेखन, बीस समीक्षा लेखन के साथ, १९८२; (१९) महर्षि विद्याधिराज तीर्थपाद - केरल के महान संत की जीवनी जो प्रो.नारायण गुरु के गुरु थे, १९८३; (२०) केरल के हिन्दी साहित्य का बृहद् इतिहास - सिर्फ केरल में ही इस प्रकार की एक हिन्दी इतिहास रचना प्रकाशित हुई है १९८९, केरल के विश्व विद्यालयों का पाठ्य-ग्रंथ; (२१) कविताएँ देश-भक्ति की - देश के अनेक मिथकों को अभिव्यक्त करने वाली कविताओं का संकलन, विश्व विवेक अमेरिका, पत्रिका के संपादक डा. भूदेव शर्मा द्वारा भूमिका लेखन, १९९३; (२२) डा. नायर की साहित्यिक रचनाएँ - ५४ सांस्कृतिक शैक्षिक शोधपरक और भावात्मक लेखों का संकलन काशी विश्व विद्यालय हिन्दी प्रो. डा.श्याम सुन्दर शुक्ल द्वारा भूमिका लेखन, १९९३; (२३) गाँधी जी भारत के प्रतीक - एक गवेषणात्मक ग्रंथ, तमिलनाड़ संस्कृति द्वारा पुरस्कृत, एक विश्व-कोश जैसा आधिकारिक ग्रंथ, १९९८; (२४) निषाद-शंका - संस्कृतिक एवं भावात्मक कविताओं का संकलन, १९९८; (२५) बहुचर्चित कहानियाँ - अनेक भाषाओं में अनूदित एवं भारतीय पुत्रिकाओं में प्रकाशित संपूर्ण कहानियों का संकलन, १९९८; (२६) एक कर्मयोगी की चित्र-रथ-यात्रा - ३०-३-१९४८ से लेकर २-१०-१९९९ तक, ५१ वर्ष के बीच में हुई मुख्य घटनाओं के फोटों का संकलन विवरण सहित हुआ है। करीब पाँच सौ निजी लेखों का और तीन सौ-नायर जी पर लिखे लेखकों का संपूर्ण क्रमबद्ध विवरण भी इसमें है।; (२७) श्री. ललिता सहस्र नाम की व्याख्या - मिथकीय सूचनाओं द्वारा प्रतिपदित एवं भारत सरकार के द्वारा प्रकाशित एक आध्यात्मिक अनुवाद ग्रंथ, २००१; (२८) चित्रकला सम्राट राजा रविवर्मा - रविवर्मा की जीवनी, भारत सरकार का देशीय पुरस्कार प्राप्त। रविवर्मा के प्रसिद्ध बीस चित्रों सहित, २००४; (२९) डा. नायर जी का संपादकीय - २ अक्तूबर १९९६ से २ जनवरी २००६ तक प्रकाशित साहित्य अकादमी शोध-पत्रिका के सम्पादकीयों को एकत्र करके निर्मित एक ग्रंथ है डा. नायर जी संपादकीय। ग्रंथ में बीस उल्लेखनीय घटनाओं के ट्राई कलर फोटो और डा. नायर द्वारा उचित दस चित्रों के रंगीन फोटो संकलित है। भारत सरकार द्वारा अनुमोदित; (३०) केरल के हिन्दी साहित्य का बृहद् इतिहास (संक्षिप्त) - २००५, श्रीमती छाया श्रीवास्तव द्वारा संक्षिप्रीकृत,

केरल विश्व विद्यालय का पाठ्यग्रंथ; (३१) चिरंजीव महाकाव्य - सप्त चिरंजीवियों पर आधारित महाकाव्य, २००८, दिल्ली में लोकार्पित; (३२) डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर संवेदना और अभिव्यक्ति - २००८, डा. अमरसिंह व धान द्वारा सम्पादित, अभिषेक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित; (३३) चिरजीव महाकाव्य - २००९, कलाप्रकाशन, वाराणसी द्वारा प्रकाशन (देश के ४५ मूर्धन्य साहित्य नायकों के काव्य पर लेखन समेत); (३४) डा. चन्द्रशेखरन नायर की लिखी अवतरणिकाएँ - २०११, इसमें ४६ ग्रंथों की अवतरणिकाएं संकलित है, भूमिका लेखन डा.एस.तंकमणि अम्मा; (३५) गंगा और हरिद्वार - २०११, मलयालम काव्य में गंगा और हरिद्वार का प्रतिपादन। झारखण्ड सरकार द्वारा विशेषांक में प्रकाशित; (३६) एक कार्मयोगी की आत्मकथा, भारत स्वतंत्रता के रास्ते से २०११

अनुवाद मलयालम से हिन्दी में:

अतीत के दिन (के.पी. केशवमेनन की जीवन - १९८७; सीतम्मा (हिन्दी में उपन्यास) (श्री. कवियूर शिवरामय्यर द्वारा अनूदित) - १९९३

प्रकाशित मलयालम कृतियाँ (मौलिक) :

चेरुप्पुकुत्तियुटे मकल (कहानियाँ) १९६२; कुरुक्षेत्रं उणरुन्नु (नाटक) १९६३; द्विवेणी (नाटक) १९६३; युगसंगमम् (नाटक संकलन) १९६६; अतिरुकटन्न पेण्णुंङ्ल (कहानियाँ) १९६६; महात्मा गाँधी (लघु जीवनी) १९६९; देवयानी (नाटक) १९६३; सीतम्मा (उपन्यास) १९७३; चतुरंगम (नाटक संकलन) १९७३; भगवान बुद्धन (नाटक) १९७८; केरलत्तिले कलकल (कला संबंधी लेख) १९८२; आट्टम युगत्तिलुम् ऋषिप्रभावम (निबन्ध) १९८६; सिंबोलिक कवि जी. शंकर कुरुप १९८५; मन्नत्तु पद्मनाभन (जीवनी) १९९३; अध्यात्मरामायणम (मूल संस्कृत से मलयालम गद्य में) २००३; शारदा तिलकत्तिनु ओरु भूमिका (संक्कृत से अनूदित) २००५; केरलीय प्रेमचंद डा. नायर (२००७); चन्द्रशेखरन नायर की कहानियाँ २००७; चिरंजीव महाकाव्य २००९; रुद्रावतारम श्री हनुमान २००९

अनुवाद हिन्दी से मलयालम में :

अतिथि सत्कारं (डा. सरोजिनी महिषी के निबन्धों का अनुवाद) १९७२; गाँधीजी ओरु लघु वीक्षणम् (श्री. श्रीपाद जोशी की रचना का अनुवाद १९७२; रामचरित मानस (माध्यमों में) १९५२-१९५४; केरलीय प्रेमचन्द डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर (अनुवाद डा.जी.कमलम्मा); डा. चन्द्रशेखरन नायर की कहानियाँ - डा.नायर

अंग्रेज़ी में प्रकाशित कृति :

डेथ एन्ड रिस्सरक्शन (अंग्रेज़ी नाटक) १९७५ (स्वामी चिन्मयानन्द जी महाराज द्वारा अनूदित); हिन्दी मलयालम-अंग्रेज़ी कोश (प्रकाशन के पथ पर)

अन्य भारतीय भाषाओं एवं अंग्रेज़ी में नायर जी की रचनाओं के अनुवाद आये हैं।

संपादित कृतियाँ :

सहकारी हिन्दी प्रचारक (पत्रिका) १९६३-६५; ग्रंन्थालोकम् (पत्रिका) का हिन्दी विभाग १९६३-६५; मऴविल्लु (मलयालम कहानिकारों की रचनाओं का संकलन); गाँधी विज्ञान भवन सोवनीर; श्री विनोबा भावे की जन्म शताब्दी का सोवनीर १९९४-९५; केरल हिन्दी साहित्य अकादमी शोध-पत्रिका का संपादन (१९९६ से)

डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर की पुस्तकें - पाठ्य-क्रम में :

(१) द्विवेणी - कालिकट विश्वविद्यालय, केरल; (२) कुरुक्षेत्र जागता है - केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम, केरल; (३) कुरुक्षेत्र जागता है - हिन्दी प्रचार सभा, तिरुवनन्तपुरम; (४) कुरुक्षेत्र जागता है - देवघर हिन्दी विद्यापीठ, देवघर; (५) युग संगमम - केरल विश्वविद्यालय; (६) देवयानी - मगध विश्वविद्यालय, पट्ना, बिहार; (७) देवयानी - केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम; (८) देवयानी - मराठवाडा वि.वि., महाराष्ट्र; (९) कामराज विश्वविद्यालय, तमिलनाडु; (१०) देवयानी - केरल हिन्दी प्रचारसभा, तिरुवनन्तपुरम; (११) केरल के हिन्दी साहित्य का बृहद इतिहास - केरल वि.वि.; (१२) सेवाश्रम - केरल हिन्दी प्रचार सभा।

चित्रकार एवं कलाविमर्शक के रूप में :

लगभग सौ से ज़्यादा वर्णचित्र ख़ींचे हैं। उनकी प्रदर्शिनियाँ त्रिवेन्द्रम एवं नई दिल्ली में धूम-धाम से चलायी गयी हैं। त्रिवेन्द्रम में मंत्री आर. बालकृष्ण पिल्लै जी और नई दिल्ली वाले केरल हाउस में डा. करनसिंह जी ने प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया। अनेक वर्णचित्र स्वागत एवं अन्तर्देशीय माध्यमों से प्रकाशित हुए। कला संबन्धी दर्जनों लेख हिन्दी और मलयालम में प्रकाशित किये हैं। मलयालम साहित्य की गति-विधियों पर वर्षों से हिन्दी पत्रिकाओं में साठ से अधिक लेख प्रकाशित किये हैं।

डा. नायर पर अभिनन्दन-ग्रंथ (4) और शोध निबंध (7)

२. डा. एन.चन्द्रशेखरन नायर अभिनन्दन ग्रंथ:

१२ अप्रैल १९७९ को सायं ४.३० बजे गाँधी-शान्ति-प्रतिष्ठान, नई दिल्ली में आयोजित विराट् अभिनन्दन समारोह में भारत सरकार के तत्कालीन माननीय मंत्री श्री लाल कृष्ण अद्धानी जी द्वारा समर्पित ग्रंथ। परामर्श मंडल में पद्मभूषण सुमित्रानन्दन पंत, पद्मभूषण श्रीमती महादेवी वर्मा, पद्मभूषण डा.रामकुमार वर्मा, पद्मभूषण डा.स्याम नन्दन किशोर और अन्य सात देशीय साहित्यकार। संपादक थे पद्मश्री क्षेमचन्द्र सुमन और प्रो.विश्वंभर अरुण। स्वागतसंघ अध्यक्ष रही थी पूर्व मंत्री डा. सरोजिनि महिषी और सभा के अध्यक्ष थे डा.गंगाशरण सिंह।

२. समकालीन भारतीय नाट्य साहित्य:

(एक बृहद सारस्वत-सम्मान ग्रंथ) २६ फरवरी १९८७ को सायं ४ बजे त्रिवेन्द्रम बैंक एम्पलोईस हॉल में आयोजित डा.चन्द्रशेखरन नायर अभिनन्दन समारोह में भारत सरकार के माननीय मंत्री श्री. पी.वी. नरसिंह रॉव जी द्वारा समर्पित अभिनन्दन ग्रंथ। सभा के अध्यक्ष थे माननीय मुख्य मंत्री श्री. के. करुणाकरन जी। ग्रंथ के संपादक डा. विजयेन्द्र स्नातक और प्रो.टी.पी.शंकरन कुट्टिनायर। ग्रंथ में शताधिक देशीय साहित्यकारों का लेखन।

३. दक्षिण के प्रतिनिधि हिन्दी साहित्यकार : डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर

सन् १९८४ को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्यदेश की पी.एच.डी. उपाधि प्रदत्त शोध ग्रंथ। बाद में केरल हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित। ग्रंथकार डा.गोपाल जी भटनागर, भूमिका लेखन कुमारी निर्मला देश पाण्डे, अन्य आशंसा लेखक डा.विष्णुदत्त राकेश, डा.नरनारायण राय, डा.प्रेमशंकर।

४. भारतीयता के संरक्षक साहित्यकार डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर:

प्रसिद्ध हिन्दी लेखक डा. नत्थन सिंह, मेरठ द्वारा रचित एवं प्रकाशित शोध ग्रंथ।

५. डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर: साहित्य-कला-संस्कृति-साहित्यकार:

(हिन्दी) डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर के सप्तति समारोह के सन्दर्भ में भारत के मूर्धन्य साहित्यकारों, राजनीतिज्ञों, एवं धार्मिक पुरुषों के सहयोग से डा.नत्थन सिंह के द्वारा संपादित।

६. डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर: साहित्य-कला-संस्कृति-साहित्यकार:

(मलयालम) श्री.आर.रामचन्द्रन नायर आई.ए.एस.द्वारा संपादित और केरल के अति विशिष्ट व्यक्तियों के सहयोग से। (ग्रंथों का समर्पण केरल राज्यपाल महामहिम श्री राचय्या द्वारा)।

७. स्वातंत्र्योत्तर केरल का हिन्दी साहित्य और डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर:

श्रीमती रेखा अलकेश शर्मा द्वारा अम्बेडकर वि.वि. से शोध उपाधि प्राप्त बृहद् ग्रंथ, प्रकाशक, जे.पी. प्रकाशन, दिल्ली-७

८. डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर की नाट्य-रचनाएं:

१९९७ शेरलीन केरल विश्व विद्यालय (एम.फिल)

९. हिन्दी साहित्य को डा. चन्द्रशेखरन नायर की देन:

२००६ केरल विश्वविद्यालय शेरलिन (पी.एच.डी.)

१०. डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर एक व्यक्तित्व और उनका कृतित्व :

मीरठ विश्व विद्यालय २००७ निदेशक - डा.साधना तोमर

११. डा. चन्द्रशेखरन नायर की जीवनियाँ तमिल एवं हिन्दी में:

१. **श्रीमती कमला पद्मगिरीश्वरन जी ने डा.नायर की जीवनी तमिल में लिखी और उसे प्रकाशित किया (१९९८)**

२. **मेरठ निवासी डा.प्रो.नत्थन सिंह जी ने केरलीय प्रेमचन्द डा. एन.चन्द्रशेखरन नायर शिर्षक पर हिन्दी जीवनी प्रकाशित की, जिसे उत्तरप्रदेश सरकार का पुरस्कार प्राप्त हुआ।**

शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक सन्दर्भों में:

१. शैक्षिक

(१) अध्यक्ष, हिन्दी पाठ्यक्रम समिति, कालिकट विश्वविद्यालय (१९६९-७६); (२) सदस्य, भाषा संकाय, कालिकट विश्वविद्यालय (१९६९-७६); (३) सदस्य, परीक्षा परिष्करण प्रवर समिति, कालिकट विश्वविद्यालय (१९७२-७५); (४) सदस्य, हिन्दी पाठ्यपुस्तक समिति, केरल विश्वविद्यालय (१९७८-८२); (५) विसिटिंग प्रोफसर, केरल विश्वविद्यालय (१९७७-७९); (६) सदस्य, स्कूल पाठ्यक्रम समिति, केरल सरकार (१९८०-८२); (७) शोध निर्देशक, केरल विश्वविद्यालय १९७९ से; (८) सदस्य, पाठ्य

पुस्तक समिति (स्नातकोत्तर), गाँधीजी वि.वि. (१९८४-८७); (९) यू.जी.सी. के मेजर रिसेर्च फेलो (१९८५-८७); (१०) यू.जी.सी. के एमिरेटस प्रोफसर (१९८७-८९); (११) सदस्य, राष्ट्रीय नवीकरण पाठ्यक्रम समिति, बनारस (१९८६-८७); (१२) सदस्य, केरल राज्यपाल द्वारा मनोनीत सेनट का (१९८९-१९९३)

२. सामाजिक

(१) अध्यक्ष, भारत युवक समाज, पालक्काट जिल्ला (१९६७-७३); (२) अध्यक्ष, सर्वोदय मंडल, पालक्काट जिल्ला (१९७२-७५); (३) अध्यक्ष, गाँधी शताब्दी समिति, ओट्टप्पालम (१९७०-७४); (४) उपाध्यक्ष, गाँधी शताब्दी समिति, पालक्काट जिल्ला (१९७०-७४); (५) मंत्री, गाँधी विज्ञान भवन, ओट्टप्पालम (इसकी स्थापना नायर जी ने की) (१९७५); (६) अध्यक्ष, आचार्य-कुल, पालक्काट जिल्ला (१९७०-७४)

३. सांस्कृतिक

(१) अध्यक्ष, केरल हिन्दी साहित्य अकादमी, तिरुवनन्तपुरम (१९८० से); (२) अध्यक्ष, केरल आर्ट एन्ड लिटररी अकादमी, तिरुवनन्तपुरम (१९८२ से); (३) सदस्य, नोन वैलेन्स पाठ्यक्रम समिति, गाँधीभवन; (४) सदस्य, राजा रविवर्मा मोनोग्राफ समिति, केरल सरकार, तिरुवनन्तपुरम।

४. धार्मिक

(१) संरक्षक, श्रीरामकृष्ण योगाश्रम, मूकाम्बिका, कोल्लूर (एस.के.); (२) अध्यक्ष, महर्षि विद्याधिराज केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम (प्रतिवर्ष दस हजार रूपये का चन्द्रशेखरन नायर पुरस्कार वितरित किया जाता है।); (३) श्रीरामकृष्णाश्रम, ओट्टप्पालम से निकटतम संबन्ध (मठाधिपति स्वामी विशदानन्द जी महाराज से मंत्र दीक्षा प्राप्त की)।

भारत सरकार की समितियों में

(१) सदस्य, हिन्दी कार्यान्यवन समिति, रैल मंत्रालय, मद्रास (१९७६-७८); (२) सदस्य, प्राँतीय अनुदान विभाग समिति, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली (१९७८-९२); (३) सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, परिवहन और जहाज़राणी मंत्रालय, नई दिल्ली (१९७५-८०); (४) सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, नागर विमानन एवं पर्यटन मंत्रालय, नई दिल्ली (१९७६-८५); (५) सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, भारी उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली (१९९४-१९९९); (६) सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, संचार मंत्रालय, नई दिल्ली (१९९५-२००१); (७) सदस्य, राजभाषा कार्यन्ययन समिति, भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण, जलभूतल परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली (१९९५-२००६); (८) सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली (१९९७-२००२); (९) सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, रेल मंत्रालय, नई दिल्ली (१९९८-२००२); (१०) सदस्य, हिन्दी सलाहकार श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली (१९९८-२००२); (११) सदस्य, हिन्दी सलाहकार नागर विमानन मंत्रालय, नई दिल्ली (१९९८-२००३); (१२) राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नागर विमानन महानिदेशालय, नई दिल्ली-३ (२०००-२००४); (१३) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली (२००५-२००९); (१४) विद्युत मंत्रालय, नई दिल्ली (२००५-२०१०)

डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर द्वारा लिखित अवतरणिकाएं :

(१) निबन्धमणि, राम गोपाल परदेशी (१९६७) आगरा; (२) द्विवेणी, डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९६२) श्रीनिकेतन प्रकाशन, त्रिवेन्द्रन; (३) सेवाश्रम, डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर (९१६७) श्रीनिकेतन प्रकाशन, त्रिवेन्द्रन; (४) भारतीय साहित्य, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९६७) श्रीनिकेतन प्रकाशन, त्रिवेन्द्रन; (५) देवयानी, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९६७) वाणी, दिल्ली; (६) देवयानी - ६वाँ संस्करण, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९६७); (७) रामचरित मानस का अनुवाद, डा. एन.पी. कुट्टनपिल्लै (१९७०); (८) केरल क्षेत्रीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, डा.एन.पी.कुट्टनपिल्लै (१९७७); (९) प्रतीकीकवि सुमित्रानन्दन पंत, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९७९); (१०) श्रेष्ठ सिम्बॉलिक कवि जी.शंकरकुरुप, डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर (१९८०); (११) प्रतीकी कवि सुमित्रानन्दन पंत और जी. शंकर कुरुप, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९८०); (१२) हिन्दी और मलयालम के (दो) सिम्बोलिक (प्रतीकवादी) कवि), डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९८०); (१३) प्रतीक पूर्वी तथा पश्चीमी, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९७९); (१४) गौरी शंकर, महाकवि एम.पी. अप्पन (१९८१); (१५) किनारे भी मझधार भी (काव्य), डा. धर्मवीर आई.ए.एस. (१९८१); (१६) धर्म और अधर्म (नाटक), डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९८२); (१७) तुषार (नोवल), एम.टी.वासुदेवननायर अनुवाद श्रीमति हफ्सत (१९८२); (१८) महर्षि विद्याधिराज (जीवनी), डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९८३); (१९) जीने की ललकार (काव्य), पी.नारायण (१९८७); (२०) केरल हिन्दी साहित्य अकादमी सोवनीर, डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९८८); (२१) केरल हिन्दी साहित्य का बृहद इतिहास, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९८९); (२२) त्रिवेणी- (काव्य), अनुवाद कवियूर शिवरामय्यर, कवियूर शिवरमय्यर (१९९०); (२३) रंग और गंध (काव्य), डा.एन.रवीन्द्रनाथ (१९९४); (२४) केरल की हिन्दी कविताएं, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९९४); (२५) आचार्य विनोबा भावे शताब्दी सेमिनार, डा. एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९९४); (२६) केरल प्रसून (काव्य), श्रीमती टी.एस.पोन्नम्मा (१९९८); (२७) गाँधीजी भारत के प्रतीक, डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर (१९९८); (२८) केरल हिन्दी साहित्य अकादमी, जी.आर.मधु (१९९९); (२९) निमंत्रण, वीरेन्द्रसिंह गूंबर (१९९९); (३०) मलयालम मलयालम हिन्दी निघंटु एन. कुमार पिल्लै (२००१); (३१) श्री ललिता सहस्र नाम की हिन्दी व्याख्या, डा. व.सी.बालकृष्णन, अनु. डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर (२००२); (३२) पुतुश्शेरी की कविताएं, डा. पुतुश्शेरी, अनुवाद: कवियूर शिवरामअय्यर (२००२); (३३) काव्य सुमन, आर. राजपुष्पम (२००३); (३४) प्रतिध्वनि, श्रीमती छाया श्रीवास्तव (२००३); (३५) चित्रकला सम्राट राजा रविवर्मा, डा. एन.चन्द्रशेखरन नायर (२००४); (३६) सागर प्रिय (महाकाव्य), स्वदेश भारती (२००६); (३७) केरल के स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर के विशिष्ट संदर्भ में, डा. रेखा शर्मा (२००४); (३८) चिरंजीव महाकाव्य, डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर (२००७); (३९) आदिशंकराचार्य (काव्य), श्री. प्रमोद पुष्कर (२००७); (४०) कानाई कुञ्ञिरामन की कविताएं, कानाई कुञ्ञिरामन, प्रो. डी.तंकप्पन नायर (२०११); (४१) वेलुत्तम्पि दलवा एवं भारत का स्वाधीनता संग्राम, डा. टी.पी.शंकरनकुट्टि नायर, अनुवाद: राजपुष्पम आर. (२०११); (४२) कौसल्या अम्माल की कविताएं, एल. कौसल्या अम्माल (२०११); (४३) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के गद्य में राजनैतिक व सामाजिक व्यंग्य, डा. मणिकण्ठन नायर (२०११); (४४) एक कर्मयोगी की आत्मकथा: भारत स्वतंत्रता के रास्ते से, डा.एन. चन्द्रशेखरन

नायर, अनुवादः एल.कौसल्या अम्माल (२०११); (४५) डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर की लिखी अवतरणिकाएं, डा.एन.चन्द्रशेखरन नायर (२०११); (४६) कुवलयम - सर हेन्ट्रि राईडर हेगार्ड, (अनुवाद) पी. राघवन नायर (१९९४); (४७) श्रीमहा आदित्य स्तोत्र रत्नाकरं, श्री. परमेश्वरन नायर (२००५)

डा.एन. चन्द्रशेखरन नायर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अभी तक ३५० मूर्धन्य साहित्यकारों के लेख प्रकाशित हुए हैं। कतिपय शीर्षस्थ नाम निम्नप्रकार हैं :

१.	सुमुत्रानन्दन पंत	इलाहाबाद)	२९.	डा.रामप्रकाश अग्रवाल	(मेरठ)
२.	श्रीमती महादेवी वर्मा	(इलाहाबाद)	३०.	डा. जमुना प्रसाद अवस्थी	(आगरा)
३.	डा.रामकुमार वर्मा	(इलाहाबाद)	३१.	डा. रामगोपालसिंह चौहान	(आगरा)
४.	श्री. जगदीशचन्द्र माथुर	(नई दिल्ली)	३२.	डा. अवधेश्वर अरुण	(मुज़फ्फरपुर)
५.	श्री. के.एम.मुंशी	(भ.विद्याभवन)	३३.	डा. प्रमोद कुमार सिंह	(मुज़फ्फरपुर)
६.	श्री. विशष्णु प्रभाकर	(दिल्ली)	३४.	डा. गिरिराजशरण अग्रवाल	(बिजनौर)
७.	डा. विजयेन्द्र स्नातक	(दिल्ली)	३५.	डा. विष्णुदत्त राकेश	(हरिद्वार)
८.	डा.रामेश्वरलाल खण्डेलवाल	(कुरुक्षेत्र)	३६.	डा. रामस्वरूप आर्य	(बिजनोर)
९.	डा. वेदप्रकाश शास्त्री	(हैदराबाद)	३७.	डा. गोपालजी भटनागर	(शहदोल)
१०.	डा. प्रभाकर माचवे	(नई दिल्ली)	३८.	प्रा. कीर्तिकुमार करुण	(आंध्रप्रदेश)
११.	डा. नत्थन सिंह	(बडौत)	३९.	डा. वेल्लायणि अर्जुन	(त्रिवेन्द्रम)
१२.	डा. महेन्द्र भटनागर	(ग्वालियर)	४०.	श्रीमती निर्मला देशपाण्डे	(नई दिल्ली)
१३.	डा. भीमसेन निर्मल	(हैदराबाद)	४१.	प्रो. सत्येन्द्रनारायण अग्रवाल	(भागलपुर)
१४.	प्रो. सुकुमार अषीकोड	(कालिकट)	४२.	श्रीमती कमला पद्मगिरीश्वरन	(त्रिवेन्द्रम)
१५.	प्रो.एन. कृष्णपिल्लै	(त्रिवेन्द्रम)	४३.	डा. मुरारीलाल शर्मा सुरस	(जालन्धर)
१६.	डा.पी.के.नारायण पिल्लै	(त्रिवेन्द्रम)	४४.	डा. यज्ञप्रसाद तिवारी	(मध्यप्रदेश)
१७.	प्रो.देवेन्द्रनाथ शर्मा	(पटना)	४५.	डा.एस.एन. गणेशन	(मद्रास)
१८.	पद्मश्री शूरनाड कुंजनपिल्लै	(त्रिवेन्द्रम)	४६.	डा.एन.वी. कृष्णवारियर	(कालिकट)
१९.	डा.भोलानाथ तिवारी	(नई दिल्ली)	४७.	डा. इन्द्र सेंगर	(दिल्ली)
२०.	श्री. कमलेश्वर	(बंबई)	४८.	डा. नित्यकिशोर शर्मा	(दिल्ली)
२१.	प्रो.जगन्नाथप्रसाद मिश्र	(मुज़फ्फरपुर)	४९.	डा.के. भास्करन नायर	(त्रिवेन्द्रम)
२२.	डा. वीरेन्द्र शर्मा	(दिल्ली)	५०.	महाकवि एम.पी.अप्पन	(त्रिवेन्द्रम)
२३.	डा. जमदीस गुप्त	(इलाहाबाद)	५१.	डा. प्रेमशंकर	(सागर)
२४.	डा. गोविन्द शेणाय	(त्रिचूर)	५२.	डा. नरनारायण रॉय	(बिहार)
२५.	श्री. मोहन मैत्रेय	(पंजाब)	५३.	डा. धर्मवीर आई.ए.एस.	(मेरठ)
२६.	श्री. रामेश्वरदयाल दुबे	(लखनऊ)	५४.	महाकवि वेण्णिकुलम	(त्रिवेन्द्रम)
२७.	डा. श्यामनन्दन किशोर	(मुज़फ्फरपुर)	५५.	श्री. के.जनार्दनन पिल्लै	(त्रिवेन्द्रम)
२८.	डा.एन.पी.कुट्टन पिल्लै	(हैदराबाद)	५६.	डा. एम.जोर्ज	(पत्तनमतिट्टा)

५७. श्री. रमेशप्रसाद शर्मा (अलीगढ़)
५८. डा. ब्रजलाल वर्मा (कानपुर)
५९. श्री. सी.कृष्णन नायर (कालिकट)
६०. डा. रामाश्रयवर्मा अखिलेश (आगरा)
६१. डा. एस. तंकमणि अम्मा (त्रिवेन्द्रम)
६२. श्री. पी. नारायण (पालक्काट)
६३. डा. गोविन्द शेनोय (त्रिचूर)
६४. डा. एच.बालसुब्रम्हण्यम (न. दिल्ली)
६५. डा. भूदेव शर्मा (अमेरिका)
६६. डा. ओमप्रकाशशर्मा प्रकाश (नई दिल्ली)
६७. डा. रेखा शर्मा (अहमदाबाद)
६८. डा. सुन्दर लाल कथूरिया (नई दिल्ली)
६९. डा. कमला पद्मगिरिश्वरन (त्रिवेन्द्रम)
७०. डा. ए.वी. शंकरन (त्रिवेन्द्रम)
७१. डा. के.मणिकण्ठन नायर (त्रिवेन्द्रम)
७२. पद्मश्री. पी. परमेश्वरन (त्रिवेन्द्रम)
७३. डा. अर्जुन शतपथी (उडिया)
७४. डा. वी.एल. वत्स (आगरा)
७५. श्री. सुशीलकुमार शिण्डे (दिल्ली)
७६. श्री. नरसिंह राव (न.दिल्ली)
७७. श्री. प्रमोद पुष्कर (भोपाल)
७८. श्री. डा.रामसनेहीलाल शर्मा (फिलोजाबाद)
७९. डा. जार्जकुट्टी वट्टोत्त (केरल)
८०. डा. धर्मपाल मैनी (गुड़गॉव)
८१. डा. साधना तोमर (मेरठ)
८२. डा. श्याम सुन्दर शुक्ल (वारणासी)
८३. श्री. पी. गोपीनाथन नायर (त्रिवेन्द्रम)
८४. डा. बालशौरि रेड्डी (चेन्नै)
८५. डा. भूपेन्द्रकुमार सिंह (मध्यप्रदेश)
८६. डा. हरपाल सिंह (मुज़फरनगर)
८७. डा. सूरज बहादुर थापा (लखनाऊ)
८८. श्री. हरिहरलाल श्रीवास्तव (वारणासी)
८९. श्री. केशवप्रसाद वमा (बिहार)
९०. डा. स्वदेश भारती (कोलकत्ता)
९१. डा. बालमोहन तंपी (त्रिवेन्द्रम)
९२. डा. एन.जी. देवकी (कोचिन)
९३. डा. सुरेश (केरल)
९४. डा. तिरुमला चन्द्रन (त्रिवेन्द्रम)
९५. श्री. कवियूर शिवरामय्यर (कवियूर)
९६. प्रो. सोमनाथन नायर (त्रिवेन्द्रम)
९७. प्रो. डी. तंकप्पन नायर (त्रिवेन्द्रम)
९८. डा. वी.वी. विश्वम (त्रिवेन्द्रम)
९९. श्री. के.जी.बालकृष्ण पिल्लै (त्रिवेन्द्रम)
१००. डा. लता (त्रिवेन्द्रम)
१०१. डा. शांतकुमारी (त्रिवेन्द्रम)
१०३. श्रीमती आर. राजपुष्पम (त्रिवेन्द्रम)
१०४. डा. सुन्दरम (चेन्नै)
१०५. डा. एच. परमेश्वरन (त्रिवेन्द्रम)
१०६. डा. मंगलप्रसाद (मैयूर)
१०७. डा. वृन्दावन त्रिपाठी रत्नेश (...)
१०८. डा. अमरसिंह वधान (चण्डीगढ़)
१०९. डा. सी.जयशंकर बाबू (....)
११०. डा. के. आर. रंजिनी (त्रिवेन्द्रम)
१११. डा. ओमप्रकाश चतुर्वेदी पराग (...)
११२. प्रो.डा.हरमहेन्द्रसिंह वेदी (पंजाब)
११३. श्री. के.पी.पद्मनाभन तंपी (त्रिवेन्द्रम)

कतिपय अविस्मरणीय सम्मेलनों का उद्घाटन

नागर विमानन मंत्रालय की हैदराबाद में सम्पन्न कार्यशाला का उद्घाटन (१९८३)। मगध वि. विद्यालय में रामचतुश्शती सम्मेलनों का उद्घाटन (१९७४)। षोर्णूर के पासवाले, चेरुतुरुत्ति के वल्लत्तोल कलामण्डलम में गान्धी-लेनिन शताब्दी सम्मेलन का उद्घाटन (१९७०)। हिन्दी अकादमी दिल्ली के निराला पर्व पर संपन्न सप्त दिवसीय सम्मेलनों का उद्घाटन (१९९९)।